पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

(छ,ग, भाासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा स्थापित)
कोनी – बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ,ग,) 495009 दूरभाष क्रमांक : (07752) 240715
www.pssou.ac.in E-mail-registar@pssou.ac.in

पाठ्यक्रम

एम.ए.

समाजशास्त्र

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY
CHHATTISGARH, BILASPUR

SYLLABUS

M.A. (SOCIOLOGY)

M.A. (SOCIOLOGY)

Duration - 24 Months (2 Years) **Eligibility – 10+2+3**

COURSE CURRICULUM

Course No.	Course Name	Max Marks	Credit
M.A. 1st Year			
Course 1	Basic Elements of Sociology	100	08
Course 2	Logic of Sociological Research	100	08
Course 3	Indian Social System	100	08
Course 4	Rural Sociology	100	08
M.A. 2nd Year			
Course 5	Contemporary Sociological Theories	100	08
Course 6	Sociological Thinkers	100	08
Course 7	Development of Sociology in India	100	08
Course 8	Criminology	100	08
Course 9 Elective		100	08
Elective-I	Industrial Sociology		
Elective-II	Dissertation		
Total		900	72

Note :-1. Dissertation will be a optional paper which can be opted by only those learners who score 62% /A grade in the previous year.
2. Offline/Online Classes of 10 days will be held every 6 month in which 75% of total attendance will be mandatory.
3. UTD shall be the centre for dissertation in which regular and guest faculty shall act as a supervisor of the dissertation.
4. Dissertation shall carry total 100 marks. 70 marks shall be counted for submission of dissertation hard copy and 30 marks shall be for viva-voce.

Minimum marks as per university norms.

एम.ए. समाजशास्त्र पूर्वार्द्ध

समाजशास्त्र के मूल तत्व

(प्रथम प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय – 1 समाजशास्त्र का विकास एवं अभिगमन : एतिहासिक कार्यात्मक तथा अर्न्तद्वन्द

अध्याय – 2 व्यक्ति की समाजशास्त्रीय अवधारणा

अध्याय – 3 स्माज : अर्थ, विशेषताएँ, एवं अन्य तथ्य

अध्याय – 4 संस्कृति : अर्थ, विशेषताएँ सिद्धांत, अवधारणाएँ

अध्याय – 5 सामाजिक व्यवस्था एवं सामाजिक व्यवहार

खण्ड (2)

अध्याय – 6 समाजिक संरचना एवं प्रकार्य

अध्याय – 7 समाजीकरण अवधारणा सोपान और सिद्धांन्त

अध्याय – 8 सामाजिक समूह, प्रकार – प्राथमिक एवं द्वितीयक

अध्याय – 9 समुदाय

अध्याय – 10 संस्था एवं समिति

खण्ड (3)

अध्याय – 11 समाजिक प्रकियाएँ सहयोगी सहयोग : समायोजन सात्मीकरण असहयोगी

अध्याय – 12 प्रस्थिति एवं भूमिका – अवधारणा स्थिति एवं भूमिका के मध्य संबंध

अध्याय – 13 प्रतिमान एवं मूल्य अवधारणा और वर्गीकरण

अध्याय – 14 निराशा विचलन एवं स्वत्व अंतरण

अध्याय – 15 असमानता एवं सामाजिक स्तरीकरण अवधारणा एवं आधार

खण्ड (4)

अध्याय – 16 समाजिक नियंत्रण अवधारणा, संस्थाए एवं प्रकार

अध्याय – 17 समाजिक परिवर्तन : अवधारणा, कारक प्रकिया, उद्‌विकास, प्रगति कान्ति वृद्धि

अध्याय – 18 समाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त

अध्याय – 19 अलगाव, अवधारणा एवं सिद्धान्त

अध्याय – 20 सामाजिक किया, अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धांत

एम.ए. समाजशास्त्र पूर्वार्द्ध

सामाजिक अनुसंधान का तर्क

(द्वितीय प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय – 1 सामाजिक अनुसंधान का अर्थ, प्रकृति एवं प्रकार

अध्याय – 2 अनुसंधान प्रारूप : विवरणात्मक एवं प्रयोगात्मक अनुसंधान प्रारूप

अध्याय – 3 प्राक्कल्पनाओं या उपकल्पनाओं के स्त्रोत्र एवं प्रकार

अध्याय – 4 तथ्य एवं सिद्धांत के मध्य संबंध

अध्याय – 5 पैराडाईम तथा मॉडल

खण्ड (2)

अध्याय – 6 ऑकडे एकत्रित करने के स्त्रोंत पद्धतिं, प्रविधि एवं यन्त्र

अध्याय –7 अवलोकन

अध्याय –8 प्रश्नावली

अध्याय – 9 साक्षात्कार

खण्ड (3)

अध्याय – 10 सर्वेक्षण और प्रकरण अध्ययन

अध्याय – 11 अनूसूची

अध्याय – 12 वैयक्ति अध्ययन पद्धति

अध्याय – 13 निदर्शन

खण्ड (4)

अध्याय – 14 केन्द्रीय प्रवृति की माप : माध्य, माध्यिका बहुलक

अध्याय – 15 माध्य विचलन – मनक विचलन

अध्याय – 16 सह–सम्बन्ध : श्रेणी सह–सम्बन्ध

अध्याय – 17 अन्तर्वस्तु विश्लेषण प्रतिधि

अध्याय – 18 विक्षेपण की माप

एम.ए. समाजशास्त्र पूर्वार्द्ध
भारतीय सामाजिक व्यवस्था
(तृतीय प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय – 1 भारतीय समाजः विविधता एवं एकता

अध्याय – 2 भारतीय समाज की मूल संस्थाएँ

अध्याय – 3 परिवार व्यवस्थाः अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकार

अध्याय – 4 परिवार व्यवस्थाः बदलता स्वरूप

खण्ड (2)

अध्याय –5 हिन्दू विवाहः अवधारणा, प्रकार एवं परिवर्तन

अध्याय – 6 मुस्लिम एवं ईसाई विवाह तथा विवाह–विच्छेद

अध्याय – 7 भारत में स्त्रियों की स्थिति

खण्ड (3)

अध्याय – 8 जाति व्यवस्था : अवधारणा एवं संरचना

अध्याय – 9 जाति व्यवस्था : उत्पति के सिद्धांत

अध्याय – 10 जाति की परिवर्तित संरचना, भविष्य, जजमानी व्यवस्था व जाति एवं राजनीति

खण्ड (4)

अध्याय – 11 समाजिक परिवर्तन और विकास

अध्याय – 12 संस्कृतीकरण अवधारणा एवं प्रकिया

अध्याय – 13 पश्चिमीकरण : अवधारणा एवं प्रकिया

अध्याय – 14 आधुनिकीकरण : अवधारणा, प्रभाव एवं प्रकिया

अध्याय – 15 धर्म निरपेक्षीकरण

एम.ए. समाजशास्त्र पूर्वार्द्ध

ग्रामीण समाज शास्त्र

(चतुर्थ प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय – 1 ग्रामीण समाजशास्त्र : अर्थ, अध्ययन क्षेत्र एवं विषयवस्तु

अध्याय – 2 ग्रामीण सामाजिक व्यवस्थाः परिवार, नातेदारी एवं जाति

अध्याय – 3 कृषक समाज एवं लघु समुदाय

अध्याय – 4 सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ

खण्ड (2)

अध्याय – 5 संस्कृतीकरण

अध्याय – 6 ग्रामीण समाजः परम्परा एवं आधुनिकता

अध्याय – 7 ग्रामीण शक्ति संरचना

अध्याय – 8 ग्रामीण समाज में धर्म

अध्याय – 9 जजमानी व्यवस्था

खण्ड (3)

अध्याय – 10 भारत में कृषक आन्दोलन

अध्याय – 11 कृषक वर्ग संरचना : उत्पादन की पद्धति और कृषक संम्बध

अध्याय – 12 ग्रामीण भारत में भूमि सुधार

अध्याय – 13 भूमिहीन श्रमिक, प्रवासी श्रमिक तथा विकिसानीकरण

अध्याय – 14 ग्रामीण भारत में सामाजिक समस्याएँ : गरीबी एवं बेरोजगारी

खण्ड (4)

अध्याय – 15 वैश्वीकरण तथा ग्रामीण समाज

अध्याय – 16 सामुदायिक विकास कार्यकम

अध्याय – 17 सहकारिता आन्दोलन

अध्याय – 18 पंचायती राज व्यवस्था

अध्याय – 19 ग्रमीण विकास में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका

अध्याय – 20 ग्रामीण विकास में वित्तीय संस्थाओं की भूमिका

अध्याय – 21 हरित कान्ति व सामाजिक परिवर्तन